महाराणा मेवाड़ वार्षिक सम्मान समर्पण समारोह-2015

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय अलंकरण के लिए नामों की घोषणा

उदयपुर, 10 मार्च। महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन के इस वर्ष होने वाले 33वें वार्षिक अलंकरण समारोह के अवसर पर लन्दन स्थित केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में संस्कृत अध्यापन से शुरूआत करने वाले प्रो. जॉन डी. स्मिथ, विज्ञापनों से सामाजिक क्रान्ति लाने वाले पियुष पाण्डे, मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाली जानी मानी अधिवक्ता वृन्दा ग्रोवर, फॉरेस्ट मेन ऑफ आसाम के नाम से मशहूर पद्मश्री जादव मुलाय पयांग, थर्मेक्स लि. से सेवानिवृत्ता समाजसेवी पद्मश्री अनु आगा को महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन के अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के अलंकरणों से सम्मानित किया जाएगा।

प्रो. जॉन डी. स्मिथ

पियुष पाण्डे

वृन्दा ग्रोवर

जादव मुलाय पयांग

पद्मश्री अनु आगा

फाउण्डेशन के वर्ष 2015 के अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय अलंकरणों की आज यहाँ घोषणा करते हुए वार्षिक अलंकरण समारोह के संयोजक डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि समारोह आगामी 22 मार्च को सायं 4 बजे सिटी पैलेस प्रांगण में आयोजित होगा, जिसमें ये अलंकरण फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ प्रदान करेंगे। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रकवि बालकवि बैरागी करेंगे।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि भारत के प्रति सार्वभौम सम्पादित स्थायी मूल्यों की सेवाओं के उपलक्ष्य में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिवर्ष दिया जाने वाला कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण प्रो. जॉन डी. स्मिथ को दिया जाएगा जिन्होंने राजस्थान और विशेषतः मेवाड़ की फड़ चित्रकारी पर शोध एवं अनुवाद का लेखन कर अनेक पुस्तकों के माध्यम से भारतीय एवं विदेशी शोधकर्ताओं को नई दिशा प्रदान की। इस अलंकरण के तहत 111001/- की राशि, तोरण, शॉल एवं प्रशस्तिपत्र भेंट किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि विज्ञापन कम्पनी ओगिल्वी एण्ड मेदर के दक्षिण एशिया के कार्यकारी अध्यक्ष एवं रचनात्मक निदेशक पियुष पाण्डे को अपने रचनात्मक एवं विज्ञापन की विशेष प्रणाली के लिए जाना जाता है। पाण्डे के रचनात्मक अभियानों में प्रमुखतः चलो पढ़ाएँ, कुछ कर दिखाएँ, बेल बजाओ, आकांक्षा, केन्सर पीड़ितों की सहायता के लिए धूम्रपान निषेध आदि है। सामाजिक चेतना जगाने वाले अनेक विज्ञापनों के माध्यम से अलख जगाने वाले पाण्डे को राष्ट्रीय स्तर का हल्दीघाटी अलंकरण प्रदान किया जाएगा। संयोजक गुप्ता ने बताया कि साम्प्रदायिक सद्भाव, देशप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के क्षेत्र में स्थायी सेवाओं के लिये दिया जाने वाला राष्ट्रीय स्तर का हकीम खाँ सूर अलंकरण इस बार मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाली प्रख्यात अधिवक्ता एवं समाजसेविका श्रीमती वृन्दा ग्रोवर को प्रदान किया जा रहा है। संयोजक गुप्ता के अनुसार पर्यावरण संरक्षण-संवर्द्धन के क्षेत्र में की गई स्थाई मूल्य की सेवाओं के लिए महाराणा उदयसिंह अलंकरण इस वर्ष देश के फॉरेस्ट मेन ऑफ दी आसाम के नाम से मशहूर पर्यावरणप्रेमी पद्मश्री जादव मुलाय पयांग को प्रदान किया जावेगा। जिन्होंने सरकारी उदासीनता को नजरअन्दाज करते हुए स्वयं के अथक प्रयासों से आसाम के अरुणाचापोरी क्षेत्र को जंगल बना दिया जिसे सरकार ने इस वन क्षेत्र को मुलाय फॉरेस्ट के नाम से घोषित कर दिया।

अपने निर्धारित दायित्व की सीमा से ऊपर उठकर किये गये कार्य के लिये दिया जाने वाला राष्ट्रीय स्तर का पद्माधाय अलंकरण विषम परिस्थितियों में आगे बढ़कर कार्य करने वाली पद्मश्री अनु आगा को सामाजिक सेवा के प्रति किए गए कार्यों हेतु प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले उक्त चारों अलंकरणों के तहत प्रत्येक विभूति को 51001 रु. नकद, तोरण, शॉल एवं प्रशस्तिपत्र भेंट किए जाएंगे।